CIJ-02/DFJK-02

June - Examination 2026

Certificate in Phalit Jyotish Examination

फलित ज्योतिष में प्रमाण–पत्र

ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि

Paper : CIJ-02/DFJK-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **100***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) उत्तरायण किसे कहा जाता है?

(ii) गलग्रह तिथियाँ किसे कहते हैं?

(iii) 4-9-14 इन तिथियों को सामूहिक रूप से किस तिथि के रूप में कहा जाता है?

(iv) किस वार का फल सभी समय में एकसमान होता है?

(v) अभिजीत मुहूर्त किसे कहते हैं?

(vi) श्रवण नक्षत्र के देवता कौन हैं?

(vii) करण किसे कहा जाता है?

(viii) नतकाल के कितने भाग होते हैं?

(ix) विषम राशि में प्रथम होरा किस ग्रह की होती है?

(x) कुण्डली में मंगलदोष कब बनता है?

खण्ड–'ब' 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

2. अमावस्या के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

3. मलमास में करणीय एवं अकरणीय कर्मों को बताइए।

4. प्रदोषकाल को संक्षेप में समझाइए।

5. अष्टकवर्ग को समझाइए।

6. अग्निवास को स्पष्ट कीजिए।

7. मूल नक्षत्र को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

8. भातृकारक ग्रह पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

9. नवांश कुण्डली साधन के नियमों को संक्षेप में समझाइए।

खण्ड–'स' 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

10. पंचांग किसे कहते हैं? भारतीय पंचांग में विभिन्न प्रकार के मासों का विवेचन कीजिए।

11. वार किसे कहते हैं? सभी वारों के स्वामी एवं करणीय कार्यों का वर्णन कीजिए।

12. इष्टकाल निकालने की विधि का विस्तृत रूप में वर्णन कीजिए।

13. होरा किसे कहते हैं? होरा ज्ञान का वर्णन कीजिए।
